कही राम लिख दिया कही श्याम लिख दिया है विरिक्त Kahi Ram Likh diya Kahi Shyam Likh Gly Lyrics

कही राम लिख दिया कही श्याम लिख दिया है लिरिक्स

कही राम लिख दिया कही श्याम लिख दिया है
सांसो के हर सिरे पर तेरा नाम लिख दिया है

सीता हरन में रावण संग गिद्ध की लड़ाई
जब गिर गया जटायु तब याद प्रभु की आई
हिस्से में उसके प्रभु ने निज धाम लिख दिया है
कही राम लिख दिया कही श्याम लिख दिया है

पहुचे दुखी सुदामा सुख धाम के द्वार
घनश्याम रो दिये थे जब एकतार निहारे
क्षण भर में एक दुखी को धन धाम लिख दिया है
कही राम लिख दिया कही श्याम लिख दिया है

शवरी को क्या पता था क्या चीज है तपस्या
बस राम राम कहकर हल कर दी सब समस्या
देकर बिदाई प्रभु ने विश्राम लिख दिया है
कही राम लिख दिया कही श्याम लिख दिया है